सुर, लय और ताल का समागम

कार्यालय संवाददाता @ जोधपुर

मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट तथा जयपुर विरासत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय राजस्थान अंतरराष्ट्रीय लोक महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार को राजस्थान के कालबेलिया डांस के लोक कलाकारों की स्पेनिश फ्लेमिंको डांस कलाकार व गिटार वादकों के साथ जुगलबंदी से श्रोता अपने कदम को थिरकने से रोक नहीं पाए और ताल से ताल मिलाकार झूमने लगे।

ढ़लते सूरज के साथ ही शाम को मोती महल में इस लिविंग लिजेंड कार्यक्रम में मांगणियारों व भोपों की प्रस्तुति ने भी दर्शकों को मोहित कर दिया। कार्यक्रम के दौरान पेपे खान मांगणियार, घेवर खान मांगणियार, पतासी भोपा ने मुरली, कमायचा व पारम्परिक वाद्य यंत्रों पर प्रस्तुति देकर श्रोताओं को रोमांचित कर दिया।

जुगलबंदी से फ्यूजन : सोना संग स्थानीय कलाकार प्रस्तुति देती हुई।

सोना का हर गीता लगा 'सोणा'

श्रोताओं के खचाखच भरे जनाना ड्योढी के कोटियार्ड में जैसे ही सोना महापात्रा ने अपने गीतों की प्रस्तुति देना शुरू किया तो श्रोता गीतों की मस्ती और फास्ट ट्रैक म्यूजिक बीट्स पर झूमते नजर आए। सोना ने राजस्थानी के ख्याति प्राप्त कलाकारों के साथ अपने गायन की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मोहित कर डाला।

डांस ग्रुप के साथ झूमे श्रोता

स्पेनिश फ्लेमिंको डांस कलाकारों ने राजस्थान के लोक नृत्य कालबेलिया कलाकारों के साथ जुगलबंदी की ऐसी प्रस्तुति दी कि मंच के सम्मुख उपस्थित श्रोतागण भी उनके साथ थिरकने पर मजबूर हो गए। स्पेनिश डांस के कलाकारों ने संगीत, लय व ताल के मिश्रण के साथ राजस्थानी लोककला को जोड़ बेहतरीन प्रस्तुति दी।